समय का सार–सारा संसार

मूल्य:20 रुपये

माया इंडिया

अक्टूबर, 2007

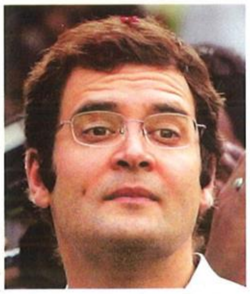

भविष्य की उम्मीदें

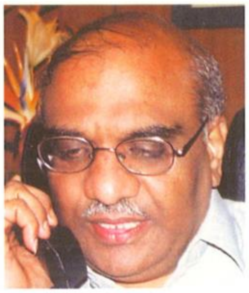

अनुभवी नेतृत्व

दूत बालाजी के

जीत लिया जग सारा

कॉर्पोरेट गुरु

डॉ. अजय डाटा (बीच में) और (बाएँ से दाएँ) शरद मिश्रा, निहार कोठारी, कुसुंभी कोठारी, सौरभ कक्कड़, गौरव रूंगटा और अंबरीश सांघी

REGISTERED WITH THE REGISTRAR OF NEWSPAPER FOR INDIA
UNDER NO : RAJHIN/2005/15841

जयपुर चैप्टर के उद्घाटन समारोह में ईओ के ग्लोबल चेयरमैन संजय कपूर का स्वागत करते जयपुर चैप्टर के अध्यक्ष डॉ.अजय डाटा

जयपुर के मास्टरमाइंड

EO | Entrepreneurs' Organization Jaipur

■ प्रताप सिंह

जयपुर में एन्टरप्रेन्योर्स आर्गेनाइजेशन के चैप्टर के आगाज के साथ कॉर्पोरेट जगत में ताजा लहर-सी चली है। यह अंतरराष्ट्रीय संगठन करीब 16 साल से दुनियाभर में कॉर्पोरेट जगत की मजबूती, विकास और विस्तार के लिए काम कर रहा है। करीब 41 देशों में 116 शाखाओं और सात हजार सदस्यों के नेटवर्क वाले इस संगठन से कॉर्पोरेट जगत के अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त विशेषज्ञ जुड़े हुए हैं।

जिंदगी की तरह बिजनेस में भी कई तरह के उतार-चढ़ाव आते रहते हैं। कॉर्पोरेट जगत की हस्तियाँ कई बार ऐसी समस्याओं से दो-चार होती हैं, जिनका सार्वजनिक तौर पर न तो खुलासा किया जा सकता है और ना ही इन पर सार्वजनिक चर्चा करना मुनासिब होता है, क्योंकि इससे बाजार में उनकी प्रतिष्ठा पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है। ऐसे में उन्हें जरूरत होती है ऐसे मंच की, जहाँ वे अपनी समस्याएँ रख सकें, विशेषज्ञों से मार्गदर्शन ले सकें और जहाँ यह सारी प्रक्रिया गोपनीय भी रहे। एन्टरप्रेन्योर्स आर्गेनाइजेशन इसी तरह का सशक्त और भरोसेमंद मंच है। यह अंतरराष्ट्रीय संगठन करीब 16 साल से दुनियाभर में कॉर्पोरेट जगत की मजबूती, विकास और विस्तार के लिए काम कर रहा है। करीब 41 देशों में 116 शाखाओं और सात हजार सदस्यों के नेटवर्क वाले इस संगठन से कॉर्पोरेट जगत के अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त विशेषज्ञ जुड़े हुए हैं।

एन्टरप्रेन्योर्स आर्गेनाइजेशन (ईओ) के नक्शे में अब राजस्थान भी जुड़ गया है। इसके जयपुर चैप्टर की हाल ही भव्य समारोह में शुरुआत हुई। होटल राजपूताना पैलेस शेरेटन में हुए इस समारोह में कॉर्पोरेट जगत की कई नामी-गिरामी हस्तियों ने शिरकत की। ईओ के ग्लोबल चेयरमैन संजय कपूर ने इस मौके पर कहा कि आप कौन-सा बिजनेस करते हैं, यह महत्व नहीं रखता। महत्वपूर्ण यह है कि आप उस व्यवसाय को कैसे करते हैं। हमारा संगठन इसी दिशा में उचित मार्गदर्शन देता है। संजय कपूर सिक्स्थ इंडिया के वाइस चेयरमैन और प्रबंध निदेशक हैं। उनकी एक और कंपनी सोना इंजीनियरिंग देश के मशहूर ब्रांड्स वाली कारों के लिए स्टियरिंग बनाती है। समारोह में संजय कपूर की अभिनेत्री पत्नी करिश्मा कपूर भी मौजूद थीं। जयपुर चैप्टर की विधिवत घोषणा ईओ के क्षेत्रीय निदेशक चोकोव वलिप्पा ने की। उनका कहना था कि यह संगठन उद्यमिता विकास के साथ-साथ व्यक्तित्व विकास को भी महत्व देता है। डाटा इंफोसिस लि. के सी.ई.ओ. डॉ. अजय डाटा को जयपुर चैप्टर का प्रेसीडेंट बनाया गया है, जबकि यूकेएम ग्रुप के शरद मिश्रा को लर्निंग चेयर, सांघी कार्स के अंबरीश सांघी को स्पॉन्सरशिप चेयर, श्याम टेलीकॉम लि. के सौरभ कक्कड़ को मेम्बरशिप चेयर, मान स्ट्रकचर्ल्स प्रा. लि. के गौरव रूंगटा को फोरम चेयर और राजस्थान पत्रिका की कुसुंभी कोठारी को कम्युनिकेशन चेयर का जिम्मा सौंपा गया है। समारोह में ईओ एशिया पेसिफिक की निदेशक निर्मला राज और राजस्थान पत्रिका के निदेशक निहार कोठारी समेत कई हस्तियों ने हिस्सा लिया।

जयपुर को मिलाकर देश में ईओ के अब सात चैप्टर हो चुके हैं। नई दिल्ली, मुम्बई, कोलकाता, बेंगलूर, चेन्नई और हैदराबाद में यह संगठन पहले से सक्रिय है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ईओ का सफर 1987 में ही शुरू हो गया था, जब अमेरिका की 22 कारोबारी हस्तियों ने 'यंग एन्टरप्रेन्योर्स आर्गेनाइजेशन' (वाईईओ) की स्थापना की। इसके संस्थापक सदस्यों में टेड लियोनसिस (टाइम वार्नर), केविन हैरिंग्टन (होम शॉपिंग नेटवर्क), नील बेल्टर (क्लोसेट कंपनी) और वर्न हार्निश (फर्स्ट प्रिंसीपल ग्रुप) शामिल थे। दो साल बाद यानी 1989 में इस संगठन को अधिकृत रूप से निगमित किया गया और 1990 में इसका पहला चैप्टर लांच किया गया। सन् 1996 में एक हजार सदस्यों के साथ एन्टरप्रेन्योर्स आर्गेनाइजेशन की स्थापना की गई। उसके बाद लोग जुड़ते गए और

ईओ एशिया पेसिफिक की निदेशक निर्मला राज को गुलदस्ता भेंट करते डॉ.अजय डाटा

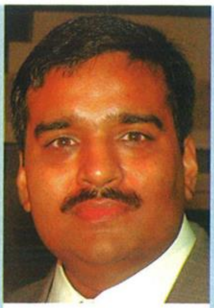

डॉ. अजय डाटा
(प्रेसीडेंट)

राजस्थान की अग्रणी इंटरनेट सेवा प्रदाता कंपनी डाटा इंफोसिस लिमिटेड के 33 वर्षीय सी.ई.ओ. डॉ. अजय डाटा बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी हैं। यह कंपनी 1200 करोड़ वाले डाटा ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज की आईटी सदस्य है। यह डॉ. अजय डाटा की सूझबूझ, कल्पनाओं और कौशल का ही नतीजा है कि डाटा इंफोसिस की कामयाबी का ग्राफ लगातार ऊपर जा रहा है। 18 अप्रैल, 1999 में शुरू हुई यह राजस्थान की पहली आईएसपी कंपनी है। मार्केट लीडर बनने के लिए कंपनी ने जोधपुर, अजमेर, कोटा और श्रीगंगानगर में सर्वर स्थापित किए। इंटरनेट सेवाओं के अलावा कंपनी ने वेब आधारित सॉफ्टवेयर सेवाएँ भी शुरू की। दुनिया के सबसे उन्नत ई-मेल सर्वर 'एक्सजेन प्लस' की डिजाइनिंग का श्रेय डॉ. अजय डाटा को जाता है। उन्होंने राजस्थान विश्वविद्यालय से स्नातक डिग्री के बाद अमेरिका के न्यूपोर्ट विश्वविद्यालय से कम्प्यूटर साइंस में एमबीए किया और नीदरलैण्ड में इलेक्ट्रॉनिक डाटा प्रोसेसिंग पर पीएचडी की। अपने ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी जयपुर ग्लास एंड पॉटरीज लिमिटेड से उन्होंने बिजनेस कैरियर शुरू किया। बाद में उन्होंने आईटी इंडस्ट्री में कदम रखा और कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। उनके नाम के साथ अनगिनत सम्मान और पुरस्कार जुड़े हुए हैं।

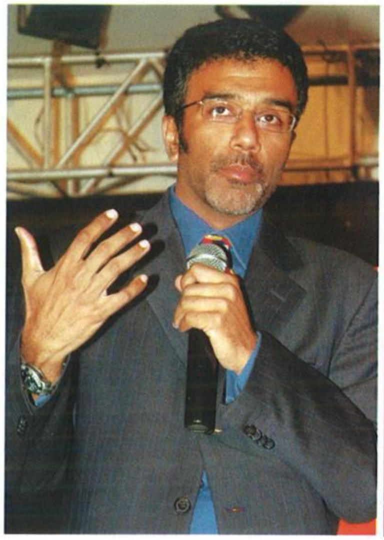

समारोह को सम्बोधित करते भारत में ईओ के क्षेत्रीय निदेशक चोको वलिप्पा (बाएँ)। दूसरी तरफ संजय कपूर, करिश्मा कपूर, 'माया इंडिया' की कार्यकारी सम्पादक माया सिंह, प्रधान सम्पादक प्रताप सिंह और डॉ. अजय डाटा

ईओ का कारवाँ बढ़ता गया। सन् 2003 तक दुनियाभर में इसके सदस्यों की संख्या करीब पाँच हजार थी, जो अब बढ़कर करीब सात हजार तक पहुँच चुकी है। अमेरिका, यूरोप, अफ्रीका और एशिया महाद्वीप में इसका विस्तृत नेटवर्क फैला हुआ है। मॉस्को, लंदन, जर्मनी, बहरीन, संयुक्त अरब अमीरात, सिडनी, फिलीपीन्स, शंघाई, हांगकांग, जापान, थाईलैण्ड, कुवैत, कोरिया, मलेशिया, सिंगापुर, इंडोनेशिया, शिकागो, लॉस एंजिलस, न्यूयार्क, टोरंटो और पाकिस्तान से लेकर नेपाल तक में ईओ की शाखाएँ मौजूद हैं।

ईओ एक तरह से कॉर्पोरेट सेक्टर का वैश्विक घराना है, जो अपने सदस्यों को जानने, सीखने, सम्पर्क बढ़ाने और विशेषज्ञों की राय लेने का मौका देता है। ईओ की प्रमुख सेवाओं में फोरम, मीटिंग इन मीटिंग, ऑन डिमांड और ईओ नेटवर्क शामिल हैं। फोरम के तहत बिजनेस करने वाले अपनी समस्याओं पर विशेषज्ञों के साथ गोपनीय बैठक कर सकते हैं। मीटिंग इन मीटिंग के तहत ट्रेड कांफ्रेंस और इंडस्ट्री शो के जरिए ईओ के दूसरे सदस्यों से सम्पर्क किया जा सकता है, जबकि ऑन डिमांड के तहत एन्टरप्रेन्योर्स के लिए जरूरी मुद्दों पर चर्चा की जा सकती है। कहने की जरूरत नहीं कि ईओ के जयपुर चैप्टर की शुरुआत राजस्थान के कॉर्पोरेट जगत के विस्तार और विकास के लिए संभावनाओं की नई किरण है। बिजनेस करने वाले इसके सदस्य बनकर अपना मुकाम और मजबूत कर सकते हैं। बस, सदस्यता के लिए शर्त यह है कि उम्र 50 साल से कम हो तथा उम्मीदवार ऐसी कंपनी का मालिक या कंट्रोलिंग शेयर होल्डर हो, जिसका सालाना राजस्व 10 लाख अमेरिकी डॉलर से ज्यादा हो।

UKM GROUP

शरद मिश्रा
(लर्निंग चेयर)

स्विट्जरलैंड से होटल मैनेजमेंट में डिप्लोमा और वहीं की जिनीवा इंटरनेशनल युनिवर्सिटी से बीबीए की डिग्री हासिल करने के बाद शरद मिश्रा ने सन् 2001 में बिजनेस कैरियर शुरू किया। वह प्रतिष्ठित यूकेएम ग्रुप के निदेशक हैं, जिसके चेयरमैन उनके पिता उदय कांत मिश्रा हैं। शरद मिश्रा के भाई आनंद मिश्रा और अभिषेक मिश्रा भी ग्रुप में सक्रिय हैं। सन् 1978 में स्थापित यूकेएम ग्रुप ने गुणवत्ता और प्रबंधन कौशल के जरिए रीयल एस्टेट और निर्माण के क्षेत्र में जल्द ही अपनी खास पहचान बना ली। सन् 1997 में ग्रुप ने त्रिमूर्ति अपार्टमेंट्स के जरिए अपनी त्रिमूर्ति ब्रांड पेश की, जो आवासीय परियोजनाओं के क्षेत्र में मील का पत्थर साबित हुई। बाद में ग्रुप ने आवासीय और व्यावसायिक परियोजनाओं की सिरीज शुरू की। ग्रुप अब तक एक लाख स्कवायर फीट में परियोजनाएँ पूरी कर चुका है और 10.3 लाख स्कवायर फीट में विकास के काम जारी हैं। यूकेएम ग्रुप के उपभोक्ता देश के अलावा विदेश में भी हैं। उसके अनिवासी भारतीय उपभोक्ता मध्य पूर्व, सऊदी अरब, नाइजीरिया, संयुक्त अरब अमीरात में बसे हुए हैं। रीयल एस्टेट की तहत जयपुर, उदयपुर और निवारू में ग्रुप की त्रिमूर्ति अपार्टमेंट्स, सनराइज सिटी, विजय सिटी पावर, कृष्णा एन्क्लेव आदि परियोजनाएँ निर्माणाधीन हैं। यूकेएम ग्रुप की कंस्ट्रक्शंस, हॉस्पिटलिटी और एज्यूकेशन के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय भागीदारी है। जयपुर और मुम्बई में आलीशान होटल्स के अलावा ग्रुप नैनीताल और गुड़गाँव में भी कई बड़े प्रोजेक्ट को अजाम दे चुका है। शिक्षा के क्षेत्र में यूकेएम एज्यूकेशन सोसायटी सक्रिय है। इसके तहत जयपुर की जगतपुरा कॉलोनी में डे-बोर्डिंग और दिल्ली रोड पर बोर्डिंग स्कूल का निर्माण शुरू होने वाला है।

सौरभ कक्कड़ (मेम्बरशिप चेयर)

सौरभ कक्कड़ टेलीकॉम इंडस्ट्री की जानी-पहचानी हस्ती हैं। उन्होंने राजस्थान में श्याम ग्रुप की स्थापना की और इस समय श्याम टेलीकॉम लि. की बेसिक फोन सेवाओं का नेतृत्व कर रहे हैं। जर्रे को सितारा बनाने का हौसला रखने वाले सौरभ कक्कड़ का जन्म 1971 में अजमेर में हुआ। इंजीनियरिंग के बाद उन्होंने बिजनेस की दुनिया में कदम रखा और जल्द ही राजस्थान के उद्योग जगत में उनका नाम चमकने लगा। बिजनेस पर गहरी पकड़ रखने वाले सौरभ अपने विस्तृत सम्पर्कों के लिए भी जाने जाते हैं। उनका व्यक्तित्व कुछ ऐसा है कि हर मिलने वाला उनसे प्रभावित हुए बगैर नहीं रहता। वह पीएचडी चैम्बर ऑफ कॉमर्स की राजस्थान कमेटी के सह अध्यक्ष, रोटरी सदस्य और वाईईओ राजस्थान के संस्थापक सदस्य हैं। केबल टीवी नेटवर्क के लिए डिजाइनिंग में भी उन्होंने उल्लेखनीय सेवाएँ दीं।

गौरव रूंगटा
(फोरम चेयर)

राजस्थान की प्रतिष्ठित बिजनेस फैमिली के सदस्य गौरव रूंगटा निर्माण और ट्रेडिंग में अच्छा दखल रखते हैं। सन् 1977 में जन्मे गौरव कॉमर्स के स्नातक हैं और कम्प्यूटर ट्रेनिंग के जरिए उन्होंने इस क्षेत्र में भी महारथ हासिल की। वह मान स्ट्रकचरर्ल्स प्रा. लि. के उप प्रबंध निदेशक हैं, जो ट्रांसमिशन लाइन टावर्स और माइक्रोवेव टावर्स का निर्माण करती है। कंपनी का टर्न ओवर करीब 100 करोड़ रुपए है। गौरव रूंगटा के कुशल नेतृत्व में मान स्ट्रकचरर्ल्स ने अपने ऑपरेशंस में कई उपलब्धियाँ हासिल की। कंपनी का आधुनिकीकरण किया गया और इसकी उत्पादन क्षमता बढ़ाई गई। अब यह इतनी बेहतर हालत में है कि कई साल तक पावर सप्लाई स्ट्रकचर्स की सप्लाई कर सकती है। नए-नए विचारों पर काम करने वाले गौरव रूंगटा जयपुर क्लब, क्रिकेट क्लब ऑफ इंडिया, रामबाग गोल्फ क्लब, दिल्ली क्रिकेट एसोसिएशन, वेस्टर्न इंडियन टर्फ क्लब और राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन से जुड़े हुए हैं। उनके पिता किशोर रूंगटा मशहूर उद्योगपति हैं। गौरव रूंगटा की एक और खूबी है- वित्त प्रबंधन। इसके जरिए उन्होंने अपनी कंपनी को लोहे जैसी मजबूती प्रदान की।

अंबरीश सांघी
(स्पॉन्सरशिप चेयर)

अंबरीश सांघी का परिवार काफी लम्बे समय से ऑटोमोबाइल उद्योग से जुड़ा है। उनके दादा चुन्नीलाल सांघी ने जयपुर में 1929 में यह बिजनेस शुरू किया था। तब वह विदेशी गाड़ियाँ आयात किया करते थे। सांघी परिवार को ऑटोमोबाइल्स में बिक्री और सेवाओं का सात दशक लम्बा अनुभव है। अंबरीश सांघी इस समय सांघी कार इंडिया प्रा.लि., प्रेम सांघी एस्टेट डेवलेपर्स प्रा. लि. और सांघी मार्केटिंग्स के निदेशक तथा सांघी ऑटोमार्ट के पार्टनर हैं। सांघी कार इंडिया प्रा. लि. के पास इस समय फिएट की डीलरशिप है और उसे भारत में टाटा-फिएट टाइ-अप के लिए चुना गया है। अंबरीश सांघी का मानना है कि उपभोक्ताओं को संतुष्टि प्रदान करना शुरू से उनकी कम्पनी का मुख्य ध्येय रहा है। उनकी फर्म 1936 से पेट्रोलियम बिजनेस में भी सक्रिय है। फर्म के राजस्थान में कई पेट्रोल पम्प हैं। सांघी एस्टेट डेवलेपर्स भी तेजी से अपनी पहचान बना रहा है। जयपुर के एम.आई.रोड पर इसका एक कॉमर्शियल कॉम्प्लैक्स इसी साल नवम्बर में तैयार हो जाएगा, जबकि टोंक रोड पर ऐसा ही कॉम्प्लैक्स अगले साल मार्च तक पूरा होने की संभावना है। जयपुर में ही पले-पढ़े अंबरीश सांघी अशोक क्लब और रामबाग गोल्फ क्लब के लाइफ मेम्बर हैं।

कुसुंभी कोठारी
(कम्युनिकेशन चेयर)

कुसुंभी कोठारी देश के प्रमुख समाचार पत्र राजस्थान पत्रिका की निदेशक हैं। यह समाचार पत्र पिछले 50 साल से मूल्य आधारित पत्रकारिता के लिए मशहूर है। भारत में पाठक संख्या की दृष्टि से यह देश का पाँचवाँ सबसे बड़ा समाचार पत्र है। कुसुंभी कोठारी ने अपना फैमिली बिजनेस 2003 में सम्भाला और राजस्थान पत्रिका के शैक्षिक विभाग की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई । वह राजस्थान पत्रिका ग्रुप की कंपनी स्काइ मीडिया प्रा. लि. की सी.ई.ओ. भी हैं, जो केबल नेटवर्क, टेलीविजन, म्यूजिक और आउटडोर पब्लिसिटी जैसी सेवाएँ दे रही है।

आर.ए.पोद्दार इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट से बिजनेस प्रशासन में मास्टर्स डिग्री हासिल करने के बाद कुसुंभी कोठारी ने जयपुर के ए. आई. ई. एस. ई. सी. में कार्य करते हुए अपने प्रबंधन कौशल को विकसित किया। वह अब भी ए.आई.ई.एस.ई.सी. से जुड़ी हुई हैं। उन्होंने कई राष्ट्रीय और अन्तरराष्ट्रीय ट्रेनिंग कॉर्स और सम्मेलनों में हिस्सा लिया। जन सम्पर्क पर उनकी अच्छी पकड़ है। उन्हें पेंटिंग का भी शौक है।